

## **To Construct the Boundary Wall**

### **\*13. SH. SITA RAM YADAV (Ateli):**

Will the Forest Minister be pleased to state that: -

- (a) whether it is a fact that there is reserve forest on the both side of Ateli-Behror road approximately in 224 acre of land in village Kanti of Tehsil Ateli and there are very large number of stray cattle in the said forest due to which many accidents are being occurred regularly on the above said road; and
- (b) if so, whether there is any proposal under consideration of the Government to construct the boundary wall on both side of the said road in the area of reserve forest together with the details thereof?

### **Kanwar Pal, Forest Minister, Haryana**

- (a) Yes. Ateli Behror Road is passing through the Kanti Reserve Forest and there are wild animals and abandoned stray cattle in this reserve forest. There has been no reported incidence of any accident; due to stray cattle so far.
- (b) The reserve forest is divided into two parts by Ateli-Behror Road. The length of the road through the reserve forest is about 800 meters. The area of the reserve forest is 225 acres. Construction of boundary wall on both sides of road in its length through the reserve forest will divide the Reserve Forest into two parts (of about 135 acres on left side and 90 acres on right side). Construction of boundary wall for such a small length is not likely to prevent animals whether stray or wild from crossing the road rather, the animal movement is likely to spread farther into agricultural fields and this may be resented more by the farmers.

## NOTE FOR PAD

225 Acre land of village Kanti, Tehsil- Ateli, District-Mahendergarh was notified as Reserve Forest vide Government of Haryana notification no. SO.114/CA.16/27/S.20/72 Dated 07.07.1972. It is situated in Mahendergarh District near Rajasthan border. The climatic condition of the area is typically xerophytic and the water table is very low which makes water a limiting factor for plantation.

The reserve forest is divided into two parts by Ateli Behror Road. The length of the road through the reserve forest is about 800 meters. The area of the reserve forest is 225 acres. Construction of boundary wall on both sides of road in its length through the reserve forest will divide the Reserve Forest into two parts (of about 135 acres on left side and 90 acres on right side). Construction of boundary wall for such a small length is not likely to prevent animals whether stray or wild from crossing the road rather, the animal movement is likely to spread farther into agricultural fields and this may be resented more by the farmers. The forest department however, will undertake feasibility study on this aspect of animal movement and thereafter, appropriate action will be taken.

At present the constituent species of the Reserve Forest are *Acacia tortilis*, *Prosopis juliflora* (mesquite), *Holoptelea integrifolia* (Pahari Papri), *Senegalia Senegal* (Khairi) , *Azadirachta indica* (Neem), *Ficus virens* (Pilkhan), *Dalbergia sissoo* (Shisham) etc.. This Reserve Forest is also habitat of various wild animal species like *Boselaphus tragocamelus* (Nilgai), *Canis aureus* (Jackal), *Oryctolagus cuniculus* (Rabbit) in sufficient numbers. Beside there are numerous bird species and some species of reptiles.

## चार दीवारी का निर्माण करना

\*13. श्री सीता राम यादव (Ateli):

क्या **Forest Minister** be pleased to State that :-:-

क्या वन मंत्री कृपया बताएंगे कि:-

(क) क्या यह तथ्य है कि अटेली तहसील के गांव कांटी में भूमि के लगभग 224 एकड़ में अटेली-बहरोड़ सड़क के दोनों ओर आरक्षित वन है तथा उक्त वन में बहुत संख्या में बेसहरा पशु है जिनके कारण उपरोक्त सड़क पर निरन्तर बहुत सी दुर्घटनाएं हो रही हैं; तथा

(ख) यदि हां, तो क्या आरक्षित वन के क्षेत्र में उक्त सड़क के दोनों ओर चार दीवारी के निर्माण करने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है तथा उसका ब्यौरा क्या है?

## कंवर पाल, वन मंत्री, हरियाणा

(क) हां, अटेली से बहरोड़ सड़क कांटी आरक्षित वन के बीच से गुजरती है। इस वन क्षेत्र में वन्य प्राणी व आवारा पशु मौजूद हैं लेकिन अभी तक इन जानवरों से कोई दुर्घटना की सूचना नहीं मिली है।

(ख) इस आरक्षित वन को अटेली-बहरोड़ सड़क दो भागों में विभाजित करती है। यह सड़क आरक्षित वन के बीच से 800 मीटर की लम्बाई में गुजरती है। इस दूरी पर सड़क के दोनों ओर चार दीवारी बनाने से यह आरक्षित वन दो भागों में बंट जाएगा, जिससे बाईं ओर 135 एकड़ क्षेत्र तथा दांयी ओर 90 एकड़ क्षेत्र रह जायेगा। इस कम लम्बाई में दीवार बनाने से जानवरों को सड़क पार करने से रोक नहीं लगेगी बल्कि जानवर साथ लगते किसानों के खेतों से पार करेंगे। जिससे किसानों में रोष पैदा होगा।

## नोट फॉर पैड

महेन्द्रगढ जिले की तहसील अटेली के अन्तर्गत कांटी गांव की 225 एकड़ भूमि हरियाणा सरकार की अधिसूचना संख्या SO.114/CA.16/27/S.20/72 दिनांक 07.07.1972 द्वारा संरक्षित वन अधिसूचित है। यह महेन्द्रगढ जिले मे राजस्थान के निकट स्थित है। इस क्षेत्र की जलवायु की स्थिति आमतौर पर रेगिस्तानी है तथा यहां का जलस्तर अत्यधिक गहरा है, जिसके कारण पौधारोपण के लिए जल बहुत सीमित मात्रा में उपलब्ध है।

यह संरक्षित वन क्षेत्र अटेली बहरोड सड़क द्वारा दो भागो मे विभाजित है। यह सड़क संरक्षित वन क्षेत्र के मध्य से निकलती है तथा इसका विस्तार वन क्षेत्र में लगभग 800 मीटर है। कांटी संरक्षित वन क्षेत्र 225 एकड़ है तथा बाड़/दीवार का निर्माण संरक्षित वन क्षेत्र को बाएं ओर 135 एकड़ मे तथा दाहिने ओर 90 एकड़ मे विभाजित कर देगा। इस कम लम्बाई में दीवार बनाने से जानवरों को सड़क पार करने से रोक नहीं लगेगी बल्कि जानवर साथ लगते किसानों के खेतों से पार करेंगे। जिससे किसानों में रोष पैदा होगा। हालांकि, वन विभाग द्वारा इस कार्य की सम्भाव्यता के लिए एक अध्ययन कराया जाएगा, उसके बाद उचित कदम उठाए जाएंगे। ।

वर्तमान मे इस संरक्षित वन क्षेत्र मे बबूल, मस्कट, पहाड़ी पापड़ी, खेरी, पीलखन, शीशम आदि प्रजातियो के वृक्ष है। इसके अतिरिक्त यह संरक्षित वन विभिन्न प्रकार के वन्य जीव जैसे नील गाय, गीदड़, खरगोश आदि का प्राकृतिक वास है जो कि यहां पर्याप्त संख्या मे है। इसके अतिरिक्त यहां पर विभिन्न प्रकार के पक्षियों एवं सृप की प्रजातियां भी पाई जाती है।